एमबीटी टीक के लकड़ी के ज़रिए आमदनी

- 8 वें वर्ष तक **एमबीटी टीक** वृक्ष 70 से 80 फीट के ऊँचाई तक बढ़ेगा और इसका घेरा 90 से 110 सेमी तक हो जाएगी। उस चरण में, प्रत्येक वृक्ष से 25 घन फीट लकड़ी मिल सकता है और रु. 1000/— प्रति घन फीट के दर के हिसाब से कुल 25 घन फीट रु. 1000/— आपको रु. 25,000/— मिलेंगे।
- 12 वें वर्ष तक सागौन का वृक्ष 80 से 90 फीट के ऊँचाई तक बढ़ेगा और इसका घेरा 110 से 135 सेमी तक हो जाएगा। आपको वृक्ष से 75 घन मीटर लकड़ी मिलेगी और 2000/— प्रति घन मीटर के दर के हिसाब से आपको कुल रु. 1,50,000/— मिलेंगे।
- 18 वें वर्ष तक सागौन 90 फीट तक बढ़ सकता है और 175 से 200 सेमी की घेरा प्राप्त कर सकता है। जिससे आपको 150 घन फीट लकड़ी मिलेगी और 2500/— के दर के हिसाब से हर एक वृक्ष से आपकी आमदनी रु. 3,75,000/— होगी।

एमबीटी टीक का रोपण सरल, आसान और अत्यंत लाभकारी है।
एमबीटी टीक पर्यावरणीय देखभाल के लिए अत्यंत उपयुक्त है।
शहरी क्षेत्रों के खाली जमीनों, घरों और व्यवसाय स्थलों पर उगाने के लिए उपयुक्त है। आपके अनुमोदित रियल एस्टेट स्थानों पर **एमबीटी टीक** के पौधे लगाना वित्तीय रूप से अत्यंत लाभदायक है।

एक-एक पौधा, एक-साथ हजारों
भविष्य में लाखों रूपए का लाभ सुनिश्चित करें।

Plant Produced by :

Mother Biotech

Mother Agri Biotech
Laboratories India Pvt Ltd
www.motherbiotech.in

Tele : +91 87904 31313
E-mail : admin@motherbiotech.in

MBT TEAK®

Tissue Cultured Teak Plant
(World's Exclusive)

Bringing Innovation in Agri Biotech

नया आविष्कार!

वृक्ष वायु, खाद्य, औषधियां, जलाने के लिए लकड़ी और घरों के निर्माण के लिए लकड़ी देते हैं। जो मानव जाति के लिए अत्यंत आवश्यक है। वृक्षों के हरियाली की रक्षा करना जैव–विविधता के प्रति हमारा एक पवित्र कर्त्तव्य है।

सागौन भारत में लकड़ी का एक अत्यंत मूल्यवान वृक्ष है। इसके केन्द्रीय भाग, रंग और टिकाऊपन के कारण इसका मूल्य बहुत अधिक है। क्योंकि यह कम व्यय, कम श्रम, कम पानी की मांग करता है और उच्च उत्पादन देता है, इसलिए एक लकड़ी शरय के रूप में इसके विकास हेतु उद्यान कृषि में इसका महत्व बढ़ता जा रहा है। वातावरण में प्रदूषण घटाने के लिए, उद्यान कृषि शरयों में से सागौन के वृक्षों के रोपण को आधुनिक कृषि के रूप में देखा जा रहा है।

आज ही एमबीटी टीक के वृक्षारोपण के साथ जुड़ें

मदर बायोटेक ने कृषि वैज्ञानिकों के सहायता से सर्वोत्तम प्रजातियों का विकास किया है। उन्होंने प्रयोगशाला में अनुसंधान किया और एक ऐसे प्रजाति का विकास किया जिसमे कीटों और कीड़ों के प्रति रोधन क्षमता, उत्तम प्रतिरक्षा, अल्प अवधि में अधिक वृद्धि जैसे गुण है और यह कृषकों को उच्च आय प्रदान कर उन्हें सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करेगा। मदर बायोटेक के ऊतक पौधे अत्यंत उपयोगी हैं और हमें भविष्य के पीढ़ियों की दिशा में ले जाता है। अंततः यह कृषकों का आय उच्च रसद पर रखेगा।

सागौन की यह लकड़ी घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सर्वोत्तम है जिसका राजस्व मूल्य बहुत अधिक है। मदर बायोटेक के ऊतक विकसित पौधे शुष्क भूमि पर आसानी से बढ़ सकते हैं जहाँ कोई जल संसाधन नहीं है। क्योंकि सागौन के लकड़ी की आपूर्ति बाजार के मांग के साथ मेल नहीं खाती है, इसलिए इसकी बहुत मांग है और सागौन के लकड़ी का अच्छा दाम भी मिलता है। इसलिए, मदर एग्रीबायोटेक का ऊतक विकसित सागौन आपको सर्वोत्तम लकड़ी और 100 सर्वश्रेष्ठ परिणाम देगा। अल्प अवधि में, अर्थात, केवल कुछ वर्षों में ही एक स्वस्थ वृक्ष विकसित होगा और कृषकों को वित्तीय विकास करने में सहायता करेगा। मदर बायोटेक और श्री श्रृष्टि संस्थानों के सहायता से श्री श्रृष्टि भारतीय बाजार में एमबीटी टीक प्रस्तुत करने में सक्षम हुआ है जिसके ऊतक सबसे आधुनिक और सर्वोत्तम हैं।

एमबीटी टीक की विशेषताएँ और खासियत

एमबीटी टीक में आधुनिक ऊतक है और मदर बायोटेक प्रयोगशाला द्वारा जेनेटिकली विकसित किया गया है। सागौन के यह पौधे अनुवांशिक रूप से बहुत बेहतर (विशेष) हैं।

एमबीटी टीक का लम्बवत विकास होगा। इसमें बगल से बहुत कम शाखाएँ निकलेंगी।

अत्यंत अल्प अवधि में यह अधिक मजबूत हो जाएगा और तने का उपरी भाग भी अधिक मजबूत हो जाएगा।

एमबीटी टीक के वृक्षों की प्रतिरक्षण क्षमता अधिक है और यह कीटों और कीड़ों का सामना कर सकता है।

एमबीटी टीक का रंग बहुत ही बढ़िया होगा और यह उत्तम गुणवत्ता और मजबूत लकड़ी देगा। व्यवसाय वार यह सर्वश्रेष्ठ होगा।

एमबीटी टीक से हम 8 / 12 / 19 वर्षों में अच्छी गुणवत्ता की लकड़ी प्राप्त कर सकेंगे।

एमबीटी टीक केवल 8 वर्षों में ही 70 से 80 फीट की ऊँचाई तक बढ़ेगा और इसका घेरा 90 से 110 सेमी तक हो जाएगा और काटने के लिए तैयार हो जाएगा।

निम्न आंकलनों के आधार पर 8 से 18 वर्षों के लिए **एमबीटी टीक** वृक्ष के लकड़ी की उत्पादकता का गणना किया जाता है।

हर एक वृक्ष से लकड़ी